बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर, बिहार (842001)

सेमेस्टर- एक

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-1	भाषा व लिपि : उद्भव एवं विकास

- भाषायी आयामों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी भाषायी क्षमताओं और संचार तकनीकों का विकास कर सकेंगे।
- भाषायी सिद्धांतों के माध्यम से विद्यार्थी शब्दोंके प्रयोग की समझ विकसित कर सकेंगे।
- विश्व की भाषाओं की उत्पत्ति और प्रसार के माध्यम से विद्यार्थी भाषाओं के प्रसार और वैश्विक पटल पर चुनौतियों की विविधता को समझ सकेंगे।
- भाषा परिवर्तन के वैज्ञानिक सिद्धांतों के माध्यम से विद्यार्थी भाषा और वर्तनी के स्तर पर अपनी भाषायी क्षमता और संचार तकनीकों को समृद्ध कर सकेंगे।
- हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और विकास की परंपरा के माध्यम से विद्यार्थी इसके प्रयोग के क्षेत्रों से अवगत होकरभाषाओं के महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही स्वतंत्रता प्राप्ति में हिन्दी भाषा के योगदान से परिचित हो सकेंगे।
- राजभाषा हिन्दी के संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता की दिशा में हिन्दी के महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- वैश्वीकरण की दिशा में हिन्दी की चुनौतीपूर्ण स्थिति से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- वर्तमान में हिन्दी रोजगारोन्मुखी भाषा है, ऐसी स्थिति में विद्यार्थी रोजगार प्राप्ति की दिशा में हिन्दी के महत्व को समझ सकेंगे तथा अपनी भाषा का पर्याप्त उपयोग कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-2	इतिहास-दर्शन, साहित्येतिहास दर्शन व हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

- इतिहास और इतिहास-लेखन के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी के इतिहास के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- साहित्य और इतिहास के अन्तर्संबंधों का अध्ययन करके विद्यार्थी साहित्य और इतिहास के प्रति अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास कर सकेंगे।
- साहित्यिक इतिहास के प्रमुख सिद्धांतों जैसे कि विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद का अध्ययन करके विद्यार्थी हिन्दी साहित्य पर इन दृष्टिकोणों के प्रभावों का आकलन करके अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकेंगे।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की समस्याओं का अध्ययन करके विद्यार्थी वर्तमान संदर्भ में हिन्दी साहित्य की विकासशील धारा को समझते हुए अपने भीतर साहित्य के रचनात्मक मूल्यों को विकसित कर सकेंगे।
- इतिहास-दर्शन और साहित्य-दर्शन की अवधारणा के वैज्ञानिक अध्ययन से विद्यार्थी अपने अंदर संज्ञानात्मक क्षमता और वैज्ञानिक मूल्यों का विकास कर साहित्य-सृजन के क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-3	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

- इस पेपर का अध्ययन करके विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के क्रमिक विकास को समझ सकेंगे और उस पर चर्चा कर सकेंगे।
- विद्यार्थी साहित्य के इतिहास और हिन्दी साहित्य के इतिहास के दर्शन के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी युग की चेतना का अध्ययन कर सकेंगे।
- साहित्य की स्वाभाविक प्रतिभा और परम्परा के बीच संघर्ष का अध्ययन कर सकेंगे।

• विद्यार्थी काल विशेष की साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत हो सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-4	**आरम्भिक हिन्दी कविता**
• विद्यार्थी प्रारंभिक हिन्दी कविता के माध्यम से भारत और भारतीयों के प्रारंभिक सांस्कृतिक जीवन को समझेंगे। • विद्यार्थी प्रारंभिक कविता 'पृथ्वीराज रासो', 'संदेश रासक', 'विद्यापति की रचनाओंतथा'अमीर खुसरो' की रचनाओं के माध्यम से भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को समझेंगे। • 'अमीर खुसरो' (जो खड़ी बोली हिन्दी के पहले कवि थे) के माध्यम से, खड़ी बोली का विकास को समझ सकेंगे • विद्यार्थी जानेंगे कि कबीर और अन्य संत कवि सिद्ध और नाथ कवियों से कैसे प्रभावित थे। • विद्यापति के 'पद' का अध्ययन करके विद्यार्थीशृंगार और भक्ति रस के बारे में जानेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : AECC-1	**पर्यावरणीयस्थिरताएवंस्वच्छभारतअभियान**
• विद्यार्थी को पर्यावरण और उसके घटकों के बारे में ज्ञान मिलेगा जिसमें कोई जीवित रहता है। • विद्यार्थी सीखेंगे कि सामान्य रूप से आसपास के वातावरण की देखभाल कैसे करें। पाठ्यक्रम पूरा करने के दौरान क्षेत्र कार्य विद्यार्थी को उनके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जिम्मेदार बनाएगा। • पाठ्यक्रम के दौरान, विद्यार्थी को सामान्य अध्ययन के कई तत्वों के बारे में पता चलेगा जो वास्तव में उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में मदद कर सकते हैं।	

बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर, बिहार (842001)

सेमेस्टर- दो	
प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-5	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अबतक)**

- इस पेपर के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आधुनिकता और आधुनिक युग की साहित्यिक प्रवृत्ति के बारे में जानेंगे।
- पुनर्जागरण के परिणामस्वरूप सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मूल्यों के बदलते आयामों को समझेंगे।
- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के गद्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी भारतेंद्र युग से लेकर समकालीन तक की कविता को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी साहित्यिक प्रकृति और नवीन शिल्पकला के बारे में जान सकेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-6	**मध्यकालीन कविता (कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानन्द)**

- भारत के सांस्कृतिक एवं सामाजिक पुनर्जागरण में भक्ति काव्य की भूमिका समझ सकेंगेसाथ ही मध्यकालीन सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन मूल्यों से परिचित हो सकेंगे।
- कबीर भक्ति काल की क्रांतिकारी चेतना के कवि रहे हैं। कबीर के अध्ययन से विद्यार्थी कबीर के जीवन दर्शन एवं उनके भक्ति मूल्यों से परिचित होकर अपने भीतर नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।
- जायसी, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास भक्ति काल के सबसे सशक्त स्तंभ रहे हैं। ऐसे में इन कवियों का अध्ययन कर विद्यार्थी अपने भीतर आस्था, भक्ति एवं समर्पण जैसे मूल्यों का विकास कर सकेंगे।
- बिहारी के नैतिक दोहों का अध्ययन कर विद्यार्थी जीवन के नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर अपने ज्ञान क्षितिज का विस्तार कर सकेंगे।
- घनानंद के सवैया और कवित्त से विद्यार्थी आध्यात्मिक प्रेम और प्रेम के सीधे मार्ग के बारे में जानेंगे।
- मध्यकालीन कवियों द्वारा लिखे गए दोहों के छंद से विद्यार्थी नैतिक और प्राकृतिक (नीतिपरक और प्राकृतिक) दोहों के माध्यम से अपने जीवन में ज्ञान और प्रकाश प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-7	**संस्कृत साहित्य का इतिहास**

- संस्कृत साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा से परिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत महाकाव्यों के अध्ययन से विद्यार्थी भारत की सांस्कृतिक विरासत के आदर्शों से परिचित होकर अपने अन्दर नैतिक आत्मविश्वास विकसित कर सकेंगे।
- संस्कृत गीतिकाव्यों के अध्ययन से विद्यार्थी अपने अन्दर संवेदनात्मक विकास कर सकेंगे।
- संस्कृत नाटकों का अध्ययन करके विद्यार्थी नाट्य विधा से परिचित हो सकेंगे तथा सामाजिक जीवन पर इसके प्रभावों का आकलन कर सकेंगे।
- संस्कृत गद्य कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी अपने ज्ञान क्षितिज का विस्तार कर सकेंगे तथा संस्कृत साहित्य की नवीन विधाओं से परिचित होते हुए रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए स्वयं को तैयार कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-8	**अस्मितामूलक विमर्श**

- विद्यार्थी अस्मिता की अवधारणा समझेंगे।
- इतिहास, धर्म और राष्ट्र के साथ अस्मिता के सम्बन्ध को जानेंगे।
- वैश्वीकरण में अस्मिता की विशेषता को जान सकेंगे।

• जैविक और सामाजिक लिंग अवधारणा को समझ सकेंगे। • अल्पसंख्यक, दलित और महिला अस्मिता की विशेषताओं को जान सकेंगे। • निर्धारित पाठोंके आलोचनात्मक विश्लेषण द्वारा उनकी अस्मिता के निर्माण और अवरोध के तत्वों को समझ सकेंगे। • भारत के स्वतंत्रता संग्राम में दलितों के योगदान को समझ सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-9	**उपन्यास**
• भारतीय आख्यान परम्परा से परिचित हो सकेंगे तथा आख्यान और उपन्यास में अन्तर्संबंध समझ सकेंगे। • हिन्दी उपन्यास की पृष्ठभूमि समझ सकेंगे साथ ही उपन्यास के हवाले से उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी के काल को समझ सकेंगे। • विभिन्न काल-खण्डों में उपन्यास की प्रवृत्तियों को रेखांकित कर सकेंगे। • राष्ट्र, अस्मिता आदि के विकास में उपन्यासों की भूमिका से भी परिचित हो सकेंगे। • निर्धारित पाठ द्वारा भारतीय समाज की तहों में प्रवेश कर सकेंगे और औपनिवेशिक काल, स्वातंत्र्योत्तर काल की सामाजिक सांस्कृतिक समस्याओं को समझने में सक्षम हो सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : AEC-1	**योग**
• विद्यार्थी योग दर्शन के सैद्धांतिक आधारों को सीखेंगे। • ध्यान तकनीकों सहित अनेक योग के अभ्यासों से खुद को सुस्वस्थ रख सकेंगे। • योग-ज्ञान, ध्यान और अभ्यास द्वारा विद्यार्थी अपनी क्षमता का विकास कर सकेंगे।	

बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर, बिहार (842001)

सेमेस्टर- तीन

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-10	आधुनिक हिन्दी काव्य

- हिन्दी काव्य और आधुनिकता का अध्ययन करके विद्यार्थी हिन्दी काव्य के संवेदनशील दृष्टिकोण को आत्मसात करके काव्य के प्रति अपनी गहरी समझ विकसित कर सकेंगे।
- आधुनिक युग के प्रबंध काव्य का अध्ययन करके विद्यार्थी समकालीन राजनीति और काव्य चेतना के बारे में जानेंगे। उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मानवीय मुद्दों के बारे में जानकारी मिलेगी।
- 'साकेत' का अध्ययन करके विद्यार्थी प्राचीन भारत के नैतिक मूल्यों को जान सकेंगे।
- कामायनी के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय परंपरा को समझकर मानव प्रकृति के प्रति अपने सकारात्मक मूल्यों को विकसित कर सकेंगे।
- आधुनिक युग के महाकाव्यों और कविताओं के अध्ययन के माध्यम से, विद्यार्थी कविता के भावनात्मक चैनल और उसके सामाजिक सरोकारों से परिचित होंगे और स्थानीय लोगों के भीतर वैज्ञानिक और आलोचनात्मक मूल्यों का विकास करेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-11	पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार

- इस पत्र को पढ़कर लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थी सत्य की खोज कर सकेंगे और मानवीय मूल्यों की खोज कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों को सार्वजनिक सेवा के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा।
- इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को वह जानकारी प्रदान करना है जिसकी उन्हें अपने जीवन, अपने समुदायों, अपने समाज और अपनी सरकारों के बारे में सर्वोत्तम संभव निर्णय लेने के लिए आवश्यकता है।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-12	उर्दू साहित्य/बांग्ला साहित्य

- उर्दू अथवा बंगाली भाषा और साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी आर्यभाषा परिवार की भाषाओं से परिचित हो सकेंगे और इन भाषाओं की आंतरिक एकता को समझकर भाषाई स्तर पर राष्ट्र की एकता और अखण्डता की दिशा में अपनी भूमिका निभा सकेंगे।
- उर्दू या बंगला कविता अध्ययन से भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन धारा से परिचित होंगे।
- उर्दू अथवा बंगाला साहित्य की विभिन्न विधाओं के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी के अलावा अन्य साहित्य दृष्टि विकसित कर अपने ज्ञान का विस्तार करेंगे।

प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-13	समकालीन हिन्दी कविता

- समकालीन हिन्दी कविता का अध्ययन करके विद्यार्थी कविता के वर्तमान जीवन-मूल्य से परिचित होकर अपने ज्ञान-क्षितिज का विस्तार करेंगे।
- केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं का अध्ययन करके विद्यार्थी कविता के भावात्मक अर्थ को समझकर अपने भीतर सकारात्मक मूल्यों का विकास कर सकेंगे।
- नागार्जुन और मुक्तिबोध की कविताओं का अध्ययन करके विद्यार्थी कविता की क्रान्तिकारी चेतना से परिचित हो सकेंगे।
- अज्ञेय, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और केदारनाथ सिंह की कविताओं का अध्ययन करके विद्यार्थी व्यक्तिगत जीवन की विभिन्न समस्याओं को समझ सकेंगे और उनके समाधान की दिशा में स्वयं को तैयार कर

सकेंगे। • समकालीन कवियों की कविताओं का अध्ययन करके विद्यार्थी सामाजिक विषमता और उससे उत्पन्न विभिन्न समस्याओं को समझ सकेंगे और उसके समाधान की दिशा में स्वयं को तैयार कर सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH CC-14	**काव्यशास्त्र**
• शास्त्रीय सिद्धांतों के अध्ययन के माध्यम से, विद्यार्थी साहित्य की अच्छी क्षमता विकसित करेंगे। साहित्य के शास्त्रीय नियमों से परिचित होकर। • विद्यार्थी काव्य के प्रमुख आचार्यों की जीवनी का अध्ययन करके भारतीय काव्य मूल्यों से परिचित होकर अपने ज्ञान क्षितिज का विकास करेंगे। • विद्यार्थीकाव्यकेमुख्यसिद्धांतों, यानी रस सिद्धांत, विभिन्न छन्द आदि को जान सकेंगे। • प्लेटो और अरस्तू के काव्य मानदंडों के माध्यम से, विद्यार्थी पश्चिमी दुनिया के काव्य नियमों के बारे में अपनी समझ बढ़ाएँगे। • विद्यार्थी आई.ए. रिचड्र्स, टी.एस. इलियट, क्रोचे के काव्य मानदण्डों को समझेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : AEC-2	**योग**
• विद्यार्थी को मानवता, लैंगिक समानता और व्यावसायिकता से जुड़े मूल्यों के बारे में जानकारी मिलेगी। • विद्यार्थी सीखेंगे कि कैसे एक साथ मिलकर सहानुभूतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से काम किया जाए। पाठ्यक्रम के दौरान क्षेत्र कार्य में मनुष्य की गरिमा के बारे में जानकारी दी जाएगी। • पाठ्यक्रम के दौरान, विद्यार्थी नैतिकता की ऐसी अवधारणाओं से खुद को परिचित करेंगे जिससे उन्हें एक समूह में सहकारी और उत्पादक तरीके से एक साथ काम करना आसान लगेगा।	

बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर, बिहार (842001)

सेमेस्टर- चार	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-1 (क)	**साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन**
• साहित्य और समाज के अन्तर्संबंध को समझ पाएँगे। • प्रमुख समाजशास्त्रियों के प्रतिमानों के आधार पर साहित्य और समाज का मूल्यांकन करने में सक्षम हो सकेंगे। • संस्कृति की भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा से परिचित हो सकेंगे। • साहित्य और समाज के अन्तर्संबंध को समझ पाएँगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-1 (ख)	**कहानी**
• कथा, किस्सा, कहानी की भारतीय अवधारणा से परिचित होंगे। • लोक कथा, शोर्ट स्टोरी और कहानी के अन्तर्संबंध को समझ सकेंगे। • हिन्दी और उर्दू कहानियों की विशेषताओं में अन्तर करने में सक्षम होंगे। • कहानियों के विश्व परिदृश्य को समझेंगे। • कहानियों और राजनीति के संबंधों को समझेंगे। • हिन्दी कहानी की कालगत विशेषताओं से भी परिचित हो सकेंगे। • निर्धारित पाठ के माध्यम से लेखकों की कहानी-कला से परिचित हो सकेंगे। साथ हीसमाजमेंदलितऔरमहिलाकीभूमिकाकोसमझसकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-1 (ग)	**लोक साहित्य**
• लोक साहित्य के अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति को जान सकेंगे। • वर्तमान समय में लोक साहित्य की उपयोगिता समझ सकेंगे। • लोक साहित्य में शोध के अवसर की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • लोक साहित्य के माध्यम से लोक की संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-1 (घ)	**आधुनिक हिन्दी साहित्य**
• आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता की वैचारिकी समझ सकेंगे। • उपनिवेशवादी, उत्तर-उपनिवेशवादी और नव-उपनिवेशवादी साहित्य को समझ सकेंगे। • आधुनिक वैचारिक आंदोलनों के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी साहित्य की समझ विकसित कर सकेंगे। • निर्धारित पाठोंके आलोचनात्मक विश्लेषण द्वारा भारतीय साहित्य की अवधारणा समझ सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-2 (क)	**आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच**
• आधुनिक रंगमंच से परिचित हो सकेंगे। और नाट्य विधा की व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राष्ट्रीय समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।साथ ही नाटक के क्रमिक विकास को भी समझ पाएँगे। • निर्धारित पाठ के माध्यम से भारतीय समाज, मनुष्यों में मनोभावों तथा नाटककारों की नाट्य कला से परिचित हो सकेंगे। • 'अंधेर नगरी' का अध्ययन कर विद्यार्थी समकालीन जीवन में नैतिक मूल्यों के ह्रास एवं भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में अपनी समझ विकसित कर स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकेंगे। • 'स्कंदगुप्त' नाटक राष्ट्रवाद की भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। • 'लहरों के राजहंस' मानव मन के अन्तर्द्वंद्वों को समझने में बहुत लाभकारी है।	

• नाटक 'अंधा युग' वर्तमान परिप्रेक्ष्य का यथार्थवादी चित्रण है। • नाटक 'कबीरा खड़ा बाजार में' पढ़कर कबीर के जीवन दर्शन को समझ सकेंगे, जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत उपयोगी है।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-2 (ख)	**प्रयोजनमूलक हिन्दी**
• विद्यार्थीकामकाजी हिन्दी से परिचित होंगे। • वर्तमान युग की आवश्यकता के अनुरूप हिन्दी कम्प्यूटर में काम करने हेतु खुद को तैयार कर सकेंगे। • अनुवाद की जानकारी प्राप्त कर वैश्विक आवश्यकता के अनुरूप अपनी क्षमता का विकास कर सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : MNH EC-2 (ग)	**कथेतर गद्य**
• कथेतर गद्य के अन्तर्गत आनेवाली विविध विधाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। • रिपोर्ताज के अध्ययन द्वारा किसी घटना का मूल्यांकन और प्रस्तुति की कला विकसित कर सकेंगे। • निर्धारित पाठ द्वारा राजनीति, धर्म, समाज और संस्कृति की समझ विकसित कर सकेंगे।	
प्रश्नपत्र कोड : GE	**मानवाधिकार**
• विद्यार्थी मानवाधिकारों के विभिन्न पहलुओं, उनके महत्व और मानवाधिकारों के वैचारिक विकास में विभिन्न विचारकों के योगदान से परिचित होंगे। • विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे पाठ्यक्रम में जो कुछ भी सीखेंगे, उसे अपने दैनिक जीवन में अपनाएंगे। • मानवाधिकारों का यह पाठ्यक्रम किसी भी प्रतियोगी परीक्षा और साक्षात्कार के प्रश्नपत्र में आना लगभग अपरिहार्य है।	